Fourteenth Loksabha

Session : 6
Date : 07-12-2005
Participants : Khaire Shri Chandrakant Bhaurao

an>

Title: Alleged ill treatment meted out to Swami Narendraji by CISF jawans at Mumbai Airport.

श्री चंद्रकांत खैरे (औरंगाबाद, महाराट्र) : अध्यक्ष महोदय, मैं एक अलग विाय पर इस सभा का ध्यान आकर्ति करना चाहता हूँ और मैं आपके माध्यम से न्याय चाहता हूँ। हिन्दू धर्म के परमपूज्य श्री नरेन्द्र स्वामी जी कल लखनऊ से विमान संख्या IC-602 से मुंबई आते समय सिक्योरिटी के लोगों द्वारा उनका राजदण्ड-धर्मदण्ड की स्क्रीनिंग हुई। वहां से आगे विमान की ओर आते समय ... * एक इन्सपेक्टर द्वारा उनका राजदण्ड छीन लिया गया और उनका अपमान किया गया।

महोदय, उन्होंने एक धर्मगुरू का अपमान किया है, यह हिन्दू धर्म के सभी लोगों की भावनाओं का अपमान है। विमान पर आते समय उनसे कहा गया कि उनका राजदण्ड पायलट के पास रख दिया जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। मुंबई में उतरने के समय उनको रिसीव करने के लिए आए भक्तगण, जो 'जय सियाराम' का नारा लगा रहे थे, उनको इस घटना की जानकारी नही थी, लेकिन स्वामी जी के बाहर न आने के कारण जब उनको पता चला कि सीआईएसएफ के उस इन्सपेक्टर द्वारा परमपूज्य स्वामी जी का राजदण्ड छीना गया और उनका अपमान किया गया है, तो उन्होंने नारेबाजी शुरू कर दी। उस समय वहां पर भक्तों पर लाठीचार्ज किया गया, महिलाओं पर लाठी चार्ज किया गया, हिन्दुओं की भावनाओं के साथ खिलवाड़ किया गया। यह कृत्य सीआईएसएफ के लोगों ने किया है। इसलिए मैं आपके माध्यम से माननीय गृहमन्त्री जी से मांग करता हूँ कि लखनऊ एयरपोर्ट के ... * इन्सपेक्टर और उनके साथियों को तथा मुंबई एयरपोर्ट के सीआईएसएफ के उन दोाी लोगों को सस्पेंड किया जाए। उन दोाी लोगों के विरूद्ध कार्रवाई की जाए।

MR. SPEAKER: Do bring all the proceedings related to this issue to me, and names should not be recorded.

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shri Khaire, I have allowed you to raise this issue here because it is an important one.

… (*Interruptions*)

श्री चंद्रकांत खैरे : महोदय, कल से ही इसे टीवी चैनलों पर लाइव टेलीकास्ट किया जा रहा है। मैंने सीआईएसएफ के डीजी को फोन करके बताया कि 'आज तक' चैनल पर इस घटना का लाइव प्रसारण किया जा रहा है। मैंने स्वयं रात 12.30 बजे तक उसे देखा। इस घटना ने सभी हिन्दुओं की भावनाओं का अपमान किया है, इसलिए मैं आपके माध्यम से न्याय की मांग करता हूँ।

MR. SPEAKER: Shri Khaire, I have allowed you to raise it, and you have also raised it in the House. Now, Shri Pawan Kumar Bansal.

श्री पवन कुमार बंसल (चण्डीगढ़) : माननीय अध्यक्ष जी, हमें प्रसन्नता है कि पिछले कई दिनों के विघ्न के बाद आज प्रश्नकाल हो पाया और हाउस चल रहा है।

MR. SPEAKER: Do you think that the House is running?

… (*Interruptions*)

श्री पवन कुमार बंसल : मेरी आशा है कि हाउस चलता रहेगा।

MR. SPEAKER: What has happened to all of you? All of you are elected representatives of the people. Did you tell the people -- while filing your nomination papers -- that I shall go to the House and create disturbance there? Is this the undertaking given by you all to the people?